Topic 1 :– भारत–मोजाम्बिक–तंजानिया त्रिपक्षीय अभ्यास :– आईएमटी ट्राइलैट 24

आईएमटी ट्राइलैट 24 अपने प्रकार का दूसरा त्रिपक्षीय अभ्यास है जो भारत-मोजाम्बिक-तंजानिया के मध्य किया जा रहा है । इसका आयोजन नाकाला, मोजाम्बिक में किया किया गया । आईएमटी ट्राइलैट 24 में भारत की तरफ से आईएनएस तीर और सुजाता सामिल हुए ।

इस युद्ध अभ्यास के लाभ :– तीनों नौसेनाओं को ज्ञान का आदान-प्रदान करने साझा करने में , क्षमताओं को बढ़ाने में और क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में सहयोग मिलेगा।

भारतीय सेनाओं द्वारा किए जाने वाले सैन्य अभ्यास

इन सैन्य अभ्यासों का विभाजित 3 वर्गों में कर सकते है:
घरेलू व्यायाम (स्थानीय तौर पर),द्विपक्षीय व्यायाम, बहुपक्षीय अभ्यास

घरेलू अभ्यास (स्थानीय तौर पर)

इस प्रकार के सैन्य अभ्यास का उद्देश्य :–

1. सेनाओं के सभी अंगों के मध्य तालमेल बैठाना ।
2. सेनाओं को नियमित अभ्यास कराना।
3. आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देना।

घरेलू सैन्य अभ्यासों के उदाहरण :–

सेना/आर्मी :– गांडीव विजय, विजय प्रहार, आयरन फीस्ट

Result Mitra

नौसेना :– पश्चिम लहर
वायु सेना :– वायु शक्ति

द्विपक्षीय अभ्यास - इस प्रकार के सैन्य अभ्यास का आयोजन दो देशों के मध्य आयोजित किया जाता है।

भारत और श्रीलंका के मध्य :– मित्र शक्ति , स्लाइनेक्स

भारत और अमेरिका के मध्य :– वज्र प्रहार, युद्ध अभ्यास ,
भारत का सामना करो

भारत और फ्रांस के मध्य :– शक्ति व्यायाम, वरुण व्यायाम, गरुड़ व्यायाम

भारत और ब्रिटेन के मध्य :– अजेय योद्धा,कोंकण,
इंद्रधनुष

भारत और ऑस्ट्रेलिया :– ऑस्ट्रा हिंद , AUSINDEX

भारत और नेपाल के मध्य :– सूर्य किरण

भारत और जापान :– धर्म संरक्षक, JIMEX

बहुपक्षीय अभ्यास - इस प्रकार के सैन्य अभ्यास में तीन या तीन से अधिक देशों के सेनाओं द्वारा भाग लिया जाता हैं।

मालाबार :– 4 देशों के मध्य (भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया)
रिमपैक :– 26 देशों के मध्य
कोबरा-सोना :– एशिया-प्रशांत देश
संवेदना:– दक्षिण एशियाई क्षेत्र के राष्ट्र

Topic 2 :– ग्रीन एंड सोशल बॉण्ड इम्पैक्ट रिपोर्ट, 2023

इस रिपोर्ट का प्रकाशन अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (international finance corporation) के द्वारा किया गया।

international finance corporation :–

इसका मुख्यालय:– वाशिंगटन, डीसी में है तथा इसकी स्थापना 1956 में की गई थी। अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम, विश्व बैंक का सदस्य भी है। जिसके तहत यह विकासशील देशों में निजी क्षेत्ल के लिए एक बड़ा वैश्विक विकास संस्थान भी है।

Result Mitra

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम ने ग्रीन बॉण्ड कार्यक्रम को 2010 में आरंभ किया गया इसका उद्देश्य निजी क्षेत्र की ऐसी परियोजनाओं के लिए फंड जुटाना है जो ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने से संबंधित हैं। ग्रीन बॉण्ड के द्वारा 2 बिलियन डॉलर तक फंड जुटाए जाने की उम्मीद है जिससे प्रति वर्ष 3.3 मिलियन मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन में कमी लाने की संभावना है। इसी प्रकार 2017 में सोशल बॉण्ड कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया । जिसका उद्देश्य सोशल बॉण्ड के द्वारा 1.2 बिलियन डॉलर से अधिक के फंड को जुटाया जा सके जिससे कृषि-व्यवसाय, महिलाओं का वित्तीय समावेशन, शिक्षा जैसे जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा।

क्या है ग्रीन बॉण्ड्स :–

ये ऐशी ऋण प्रतिभूतियां है जिसके माध्यम से संधारणीय जल और अपशिष्ट प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, हरित भवन जैसी पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं को वित्त पोषित किया जा सके हैं।

भारत और ग्रीन बॉण्ड्स :– भारत ने अपना पहला ग्रीन बॉण्ड यस बैंक लिमिटेड द्वारा वर्ष 2015 में जारी किया । वित्त मंत्रालय द्वारा 2022 में भारत के पहले सॉवरेन ग्रीन बॉण्ड्स (SGBs) फ्रेमवर्क को मंजूरी प्रदान की गई थी। भारत ने SGBs की पहली किस्त 2023 में जारी की, जो 80 अरब रुपये मूल्य के की थी।

सोशल बॉण्ड्स के बारे में

क्या है ये :– वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स
इन्हे सरकारों और निगमों द्वारा जारी किया जाता है

उद्देश्य :– सोशल बॉण्ड्स के माध्यम से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे लोगों को किफायती आवास, स्वास्थ्य देखभाल जैसी सामाजिक जरूरतों को पूरा करने वाली परियोजनाओं के लिए धन जुटाया।

नाबार्ड द्वारा सोशल बॉण्ड्स के माध्यम से 1000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि 2023 में जुटाई गई थी।

नाबार्ड :– राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

शीर्ष बैंकिंग संस्थान जो कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु वित्त प्रदान करती है

नाबार्ड का मुख्यालय मुंबई में है और इसकी स्थापना वर्ष 1982 में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 के तहत की गई थी। यह एक सांविधिक निकाय है

अन्य कार्य :– छोटे उद्योगों, कुटीर उद्योगों एवं ग्रामीण परियोजनाओं के विकास के लिये कार्य करना।

Result Mitra

Result Mitra